पाठ्यक्रम: HIN-623
पाठ्यक्रम का शीर्षक:भारतीय साहित्य
श्रेयांक:04 (60)
शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	• भारतीय साहित्य तथा भारतीय साहित्यकारों की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• भारतीय साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित कराना। • भारतीय साहित्य के महत्त्व से अवगत कराना। • भारतीय साहित्य की अध्ययन की सीमाएँ स्पष्ट कराना। • भारतीय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्यिक योगदान से परिचित कराना।	
पाठ्य विषय	**1. भारतीय साहित्य** • भारत एवं भारतीयता की संकल्पना • भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप एवं महत्त्व • भारतीय साहित्य : सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना • भारतीय साहित्य के अध्ययन की सीमाएँ	**20**
	2. निर्धारित रचनाएँ • अमृता प्रीतम- प्रतिनिधि कविताएँ • इस्मत चुग़ताई- प्रतिनिधिकहानियाँ • लक्ष्मण गायकवाड- उचक्का • दामोदर मावज़ो- स्वप्न प्रेमी • सलमान रश्दी - आधी रात की संतानें • बादल सरकार - पगला घोड़ा	**40**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, स्वाध्याय, संगोष्ठी, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति।	
निर्धारित पाठ्य सामग्री	1) गायकवाड, लक्ष्मण. उचक्का. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 2) चुग़ताई, इस्मत. प्रतिनिधि कहानियाँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2020. 3) प्रीतम, अमृता. प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016. 4) मावज़ो, दामोदर. स्वप्न प्रेमी. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2022. 5) रश्दी, सलमान. आधी रात की संतानें. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009. 6) सरकार, बादल. पगला घोड़ा. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2014. 1) गौतम, मूलचंद (सं॰). भारतीय साहित्य. राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,	

संदर्भ ग्रंथ सूची	2017. 2) तिवारी, सियाराम (सं॰). भारतीय साहित्य की पहचान. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2015. 3) नगेंद्र.भारतीय साहित्य.प्रभात प्रकाशन,नई दिल्ली,2004. 4) मांद्रेकर, डॉ॰ वृषाली. भारतीय साहित्य की मानवतावादी धाराएँ. विद्या प्रकाशन, कानपुर, 2015. 5) मिश्र, राजेंद्र. भारतीय साहित्य की अवधारणा. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2006. 6) शर्मा,रामविलास.भारतीय साहित्य की भूमिका.राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली,2009. 7) शर्मा,रामविलास. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012. 8) शांति, आर॰ आई॰ एवं अन्य (सं॰). भारतीय साहित्य. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2019. 9) श्रीधर, प्रदीप. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएँ. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2010. 10) सच्चिदानंदन, के॰. भारतीय साहित्य स्थापनाएँ एवं प्रस्थापनाएँ. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2003.	
अधिगम परिणाम	• भारतीय साहित्य की संकल्पना एवं स्वरूप से परिचित होंगे। • भारतीय साहित्य के महत्त्व से अवगत होंगे। • भारतीय साहित्य की अध्ययन की सीमाओं से अवगत होंगे। • भारतीय साहित्य के प्रमुख रचनाकारों के साहित्यिक योगदान को समझेंगे ।	